Downloaded From :http://cbseportal.com/

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

(2017-2018)

हिन्दी ऐच्छिक

कक्षा बारहवी

निर्धारित समय 3 घंटे अधिकतम अंकः100

सामान्य निर्देश

- इस प्रश्न पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड - 'क'

१. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः 15

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया है। उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक तत्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ, मोह, काम, क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारों पर छोड़ देना बहुत निकृष्ट आचरण है। भारतवर्ष ने उन्हें कभी उचित नहीं माना, उन्हे सदा संयम के बंधन से बांधकर रखने का प्रयत्न किया है। परन्तु भूख की उपेक्षा नहीं की जा सकती, बीमार के लिए दवा की उपेक्षा नहीं की जा सकती, गुमराह को ठीक रास्ते पर ले जाने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती। हुआ यह है कि इस देश के कोटि-कोटि दरिद्र जनों की हीन अवस्था को दूर करने के लिए ऐसे अनेक कायदे-कानून बनाए गए हैं, जो कृषि, उद्योग, वाणिज्य, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति को अधिक उन्नत और सुचारू बनाने के लक्ष्य से प्रेरित है, परन्तु जिन लोगों को इन कार्यो में लगना है, उनका मन सब समय पवित्र नहीं होता। प्रायः ही वे लक्ष्य को भूल जाते हैं और अपनी ही सुख-सुविधा की ओर ज्यादा ध्यान देने लगते हैं।

व्यक्ति चित्त सब समय आदर्शो द्वारा चालित नहीं होता। जितने बडे पैमाने पर इन क्षेत्रों में मनुष्य की उन्नति के विधान बनाए गए, उतनी ही मात्रा में लोभ, मोह जैसे विकार भी विस्तृत होते गए। लक्ष्य की बात भूल गए। आदर्शो को मजाक का विषय बनाया गया और संयम को दकियानूसी मान

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है। यह कुछ थोडे से लोगों के बढ़ते हुए लोभ का नतीजा है, परन्तु इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं। भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अन्तर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो लोग धर्मभीरू हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते।

क) भारतवर्ष में किस बात को महत्वहीन माना गया व क्यों ? 2

ख) किस प्रकार के आचरण को 'निकृष्ट' कहा गया है? 2

ग) दरिद्रजनों की हीन अवस्था को दूर करने के लिए किए गए प्रयास सफल क्यों नहीं हो पाए? 2

घ) 'मन की पवित्रता ' से क्या आशय है? 2

ड) व्यक्तिचित के आदर्शों द्वारा चालित न होने का परिणाम किस रूप में देखने को मिला ? 2

च) वर्तमान संदर्भ में भारत के पुराने आदर्श और भी उपयोगी क्यों लग रहे हैं ? 2

छ) कानून और धर्म में अन्तर किए जाने का क्या परिणाम हुआ ? 2

ज) प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए 1x5=5

'सर । पहचाना मुझे ?'

बारिश में भीगता आया कोई

कपडे कीचड़ सने और बालों में पानी

बैठा, छन भर सुस्ताया। बोला, नभ की ओर देख -

'गंगा' मैया पाहुन बन कर आईं थीं,

झोपडी में रहकर लौट गईं।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

नैहर आई बेटी की भांति

चार दीवारों में कुदकती-फुदकती रहीं

खाली हाथ वापस कैसे जाती।

घरवाली तो बच गई -

दीवारें ढहीं, चूल्हा बुझा, बरतन-भांडे

जो भी था सब चला गया।

प्रसाद रूप में बचा है नैनों में थोडा खारा पानी

पत्नी को साथ ले, सर अब लड रहा हूँ

ढही दीवार खडी कर रहा हूँ

कादा-कीचड निकाल फेंक रहा हूँ

मेरा हाथ जेब की ओर जाते देख

वह उठा, बोला - 'सर, पैसे नहीं चाहिए।

जरा अकेलापन महसूस हुआ तो चला आया

घर -गृहस्थी चौपट हो गई पर

रीढ़ की हड्डी मजबूत है सर।

पीठ पर हाथ थपकी देकर

आशीर्वाद दीजिए

लड़ते रहो।'

क) बाढ़ की तुलना मायके आई हुई बेटी से क्यों की गई है? 1

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

ख) बाढ़ का क्या प्रभाव पड़ा। 1

ग) 'सर' का हाथ जेब की ओर क्यों गया ? 1

घ) आगन्तुक सर के घर किसलिए गया था ? 1

ड) कैसे कह सकते हैं कि आगन्तुक एक स्वाभिमानी व संघर्षशील व्यक्ति है? 1

खंड- 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए: 10

क) बदलते सामाजिक परिप्रेक्ष्य में नारी की भूमिका

ख) संचार क्राँति के लाभ

ग) मेरे जीवन की अविस्मरणीय घटना

घ) 'है अंधेरी रात पर दीपक जलाना कब मना है'

4. प्रत्येक सप्ताहांत में विद्यालय में योग-कक्षाएँ आयोजित करने का अनुरोध करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए । 5

अथवा

पुलिस मुख्यालय में कुछ जनसंपर्क सहायकों की आवश्यकता है, जिन्होंने हाल ही में बारहवीं की परीक्षा दी हो, जिन्हे कम्प्यूटर की सामान्य जानकारी हो और लोगों से मिलना-जुलना पसंद हो। अपना व्यक्तिगत विवरण देते हुए पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए 1x5=5

क) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में मुख्य अंतर क्या है ?

ख) भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला था ?

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

ग) समाचार लेखन के छह ककार कौन-कौन से हैं ?

घ) इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

ड) 'पाठकों का अपना कॉलम' किसे व क्यों कहा जाता है ?

6. 'गोदामों में सड़ता अनाज और भूख से कराहते लोग' विषय पर एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

'चुनाव-व्यवस्था में पारदर्शिता' विषय पर एक आलेख लिखिए।

खण्ड-'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः 8

देखती मुझे तू हंसी मंद

होंठों में बिजली फंसी स्पंद

उर में भर झूली छबि सुन्दर

प्रिय की अशब्द श्रृंगार-मुखर

तू खुली एक - उच्छवास संग

विश्वास स्तब्ध बँध अंग-अंग

नत नयनों से आलोक उत्तर

काँपा अधरों पर थर-थर-थर

देखा मैंने, वह मूर्ति-धीति

मेरे बसंत की प्रथम गीति

अथवा

फागुन पवन झँकोरै बहा। चौगुन सीउ जाई किमि सहा।।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

तन जस पीयर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा।।

तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भई अनपत्त फूल फर साखा।।

करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू।।

फाग करहिं सब चाँचारि जोरी। मोहि जिय लाइ दीन्हि जसि होरी।।

जौं पै पियहि जरत अस भावा। जरत मरत मोहि रोस न आवा।।

8. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिएः 3+3=6

क) केशवदास ने सरस्वती की उदारता का बखान करने में असमर्थता क्यों व्यक्त की है? स्पष्ट कीजिए।

ख) 'सत्य' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि हम सत्य की पहचान कैसे कर सकते हैं?

ग) 'अरूण यह मधुमय देश हमारा' गीत में भारत की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

9. निम्नलिखित में से किन्ही दो काव्यांशो का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए 3+3=6

क) ऊँचे तरूवर से गिरे

बड़े-बड़े पियराए पत्ते

कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो

खिली हुई हवा आई, फिरकी सी आई, चली गई।

ख) मातु मंदि मैं साधु सुचाली। उर अस आनत कोटि कुचाली।।

फरई कि कोदव बालि सुसाली। मुकता प्रसव कि संबुक काली।।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

ग) घनआनंद मीत सुजान बिना, सब ही सुख-साज-समाज टरे।

तब हार पहार से लागत हे, अब आनि के बीच पहार परे।।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः 6

चारों ओर कुपित यमराज के दारूण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रूद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है। मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है। कितनी कठिन जीवनी शक्ति है।

अथवा

पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृतियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया। उसके बचने की आशा है क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था, मरे काठ की अलमारी की सिर दुखाने वाली खडखडाहट नहीं।

11. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए 4+4=8

क) 'कच्चा चिट्ठा' पाठ के लेखक ने ऐसा क्यों कहा कि 'मै कहीँ जाता हूं, तो छूंछे हाथ नहीं लौटता।' पसोवा से कम चीजे मिलने की कमी किस प्रकार पूरी हुई?

ख) औद्योगीकरण ने पर्यावरण का संकट किस प्रकार पैदा कर दिया है? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ग) संवदिया किसे कहा जाता है? उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताइए कि गाँववालों के मन में संवदिया की क्या अवधारणा है?

12. 'रामचन्द्र शुक्ल' अथवा 'ममता कालिया' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 6

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

अथवा

'केदारनाथ सिंह' अथवा 'विद्यापति' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

13. "बच्चे का माँ का दूध पीना सिर्फ दूध पीना नहीं, माँ से बच्चे के सारे संबंधों का जीवन चरित होता है।" इस कथन में व्यक्त मूल्यों के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि माँ बच्चे के जीवन का मूलाधार होती है। 5

अथवा

एक सजग नागरिक होने के नाते प्राकृतिक असंतुलन की भयानक समस्या से निपटने हेतु आप क्या कदम उठाएँगे। 'अपना मालवा खाऊ उजाड़ू सभ्यता' पाठ के आधार पर अपने विचार लिखिए।

14. क) 'खेल में रोना कैसा ? खेल हंसने के लिए, दिल बहलाने के लिए है, रोने के लिए नहीं।' इस कथन के आलोक में सूरदास की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 5

ख) 'आरोहण' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पहाड़ो में जीवन अत्यन्त कठिन होता है। 5

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE